माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
हिन्दी फसल उत्पादन और बागवानी	4	2	0	हिन्दी

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

क्रमांक

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	2	2	6	2	5	9	7	9

शब्दों में

		दो	छः	दो	पाँच	नौ	सात	नौ

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ								
1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में ✗ शब्दों में ✗

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 01

ग – परीक्षा की दिनांक 09 03 2022

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा केन्द्र क्रमांक 20

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
अनूप कुशवाहा	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगा...

उप मुख्य परीक्षक के ह...	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
	Smt. G. Dhumketi Reg.- 13091

नोट :– ''हायर सेके... ...काय के विषयों तथ... में प्रायोगिक विषय को ... ...तु नियमित एवं स्वाध्यायी छ... पत्र 100 अंकों का होगा। ... छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का ... स्वाध्यायी छात्रों को 100 ... के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये ...

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंको में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

विशेष नोट :– सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करे और न ही छात्र उपयोग में ले। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखे उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें → केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें → परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

पृष्ठ 2 के अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

MPBSE

प्रश्न क्रमांक -1 का उत्तर

(I) 46

(II खरपतवार में

(II) गन्ने

(I) टोड स्टूल

(V) चने

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 2 का उत्तर

(i) ~~18% नाइट्रोजन तथा 46% फॉस्फोरस~~ दो (नाइट्रोजन व फॉस्

(ii) ~~बैक्टीरिया (जीवाणु)~~ वायरस

(i[illegible] [illegible]ल्ली

(iv[illegible])-38%.

(v) [illegible]न

(vi) [illegible]टेसी

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 3 का उत्तर

(I) लेट ब्लाइट

(II) मशरूम

(III) पूसा वेदान

(IV) सफेद मूसली

(V) रॉक गार्डन

A. शाकाहारी मीट

B. आलू की फसल

C. क्लोरोफाइटम बोरीविलियानम

D. अंगूर की किस्म

E. चंडीगढ़

ST-16

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 4 का उत्तर

(i) लिया, पिटूनिया शरद (रबी) ऋतु के फूल वाले पौधे हैं।

(ii स गलाने एवं अन सिकुड़ने के लिए 'पपैन' का योग किया जाता है।

(iii सबगोल 'रबी' मौसम की फसल है।

(iv ट्रोनेला घास की 'पत्तियों' से तेल निकाला जाता है।

(v ल एवं सब्जियों को समय के अनुसार सुरक्षित रने की 'दो' विधियाँ हैं।

(v ल एवं सब्जियों में कड़ापन लाने के लिए उन्हें 2% ूने के घोल या चूने' से उपचारित करते हैं।

MPBSE
www.uuuyindia.com

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 5 का उत्तर

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) असत्य

(iv) सत्य

(v) सत्य

(vi) सत्य

MPBSE

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 6 का उत्तर (अथवा)

क्र.	पृष्ठीय जलनिकास	भूमिगत जलनिकास
1.	पृष्ठीय जलनिकास में नालियाँ सतही होने से कृषि कार्यों में बाधा होती है।	भूमिगत जलनिकास में नालियाँ भूमिगत होती हैं। अतः कृषि कार्यों में बाधा नही आती है।
2.	पृष्ठीय जलनिकास में नालियों द्वारा मृदाक्षरण होता है।	भूमिगत जलनिकास नालियों में मृदाक्षरण नगण्य होता है।

M P B S E

प्रश्न क्रमांक – 7 का उत्तर (अथवा)

जलनिकास के निम्नलिखित लाभ हैं –

(i) वायुसंचार में वृद्धि – जलनिकास के द्वारा मृदा के वायुसंचार में वृद्धि होती है। जिससे लाभदायक जीवाणुओं की क्रियाशीलता में वृद्धि होती है।

मृदा की भौतिक दशा में सुधार – अतिरिक्त जल निकाल देने से मृदा की संरचना सुधरती है तथा उसकी भौतिक दशा में सुधार होता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 8 का उत्तर (अथवा)

दो नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के नाम निम्नलिखित हैं–

यूरिया

सोडियम नाइट्रेट

M P B S E

प्रश्न क्रमांक – 9 का उत्तर

खरपतवारों की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं –

(i) खरपतवारों के बीज लम्बे समय तक प्रसुप्त (Dormant) अवस्था में रहते हैं तथा खरपतवार एक बार में अत्यधिक बीज उत्पन्न करते हैं।
जैसे – ऐसा अनुमान है कि खरपतवारों के बीज 80 - 100 वर्षों तक सुषुप्तावस्था (Dormancy period) में रह सकते हैं।

खरपतवार कम पानी, कम खाद एवं ऐसी ही प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जीवित बने रहते हैं तथा वृद्धि करते हैं। खरपतवारों की जड़े गहरी जाती हैं।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 10 का उत्तर

गन्ने की दो उन्नत किस्में निम्नलिखित हैं –

(i) CO – 7704

CO – 1148

प्रश्न क्रमांक – 11 का उत्तर (अथवा)

अंगूर की कोई दो बीज रहित जातियाँ निम्न हैं –

(i) ब्यूटी सीडलैस (बेदाना)

पूसा बेदाना

M P B S

प्रश्न क्रमांक - 12 का उत्तर

आम का प्रसारण निम्नलिखित है -

(i) लैंगिक प्रसारण - बीज द्वारा

(ii) अलैंगिक प्रसारण - (A) Inarching
(B) Budding (कलिकायन)
(C) Grafting (उपरोपण विधि)
(D) विनियर रोपण (सर्वाधिक प्रयुक्त)

प्रसारण बीज द्वारा होता है परंतु उसमें अत्यधिक समय लगता है। इसलिए व्यावसायिक स्तर पर इसका प्रसारण विनियर रोपण द्वारा किया जाता है।

M
P
B
S
E

... का उत्तर

बलान्चिंग – बलान्चिंग क्रिया सब्जियों एवं फलों (~~विशेषकर~~) (विशेषकर पत्तेदार सब्जियों) को मुलायम, चमकदार बनाने की क्रिया है। इसमें सब्जियों को एक निश्चित समय के लिए 100°C अथवा 212°F पर पानी उबाला जाता है जिससे वह अधिक मुलायम व देखने ताजी हो जाती हैं।

MPBSE

प्रश्न क्रमांक - 14 का उत्तर

नाइट्रोजन की कमी के तीन लक्षण निम्न हैं –

(i) नाइट्रोजन की कमी का स्पष्ट प्रभाव पौधों की पत्तियों पर दिखाई देते हैं। पत्तियाँ पीली पड़ जाती हैं तथा उनमें हरिमहीनता (Chlorosis) हो जाती है।

नाइट्रोजन की कमी होने पर पौधे बौने रह जाते हैं तथा उनकी वृद्धि मंद पड़ जाती है।

(iii) नाइट्रोजन तत्व वानस्पतिक वृद्धि हेतु उत्तरदायी होता है अतः इसकी कमी होने पर पौधे की वानस्पतिक वृद्धि रुक जाती है। तथा पौधों पर रोगों का प्रकोप अधिक होता है। उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है।

प्रश्न क्र.

~~प्रश्न क्रमांक - 15 का उत्तर (...)~~

~~हरी खाद के लिए क~~

प्रश्न क्रमांक - 15 का उत्तर

हरी खाद के लाभ निम्नलिखित हैं —

(i) हरी खाद भूमि को उर्वरक बनाने का एक सस्ता एवं प्रभावी उपाय है। हरी खाद से लगभग 40-60kg नाइट्रोजन/ha पौधों को प्राप्त होती है।

हरी खाद का प्रभाव भूमि पर लम्बे समय तक रहता है जबकि उर्वरक का प्रभाव क्षणिक होता है।

हरी खाद से न केवल पौधों को मुख्य पोषक तत्व मिलते हैं बल्कि कुछ सूक्ष्म पोषक तत्व भी पौधों को प्राप्त होते हैं।

(iv) हरी खाद में प्रयुक्त फसल यदि दलहनी है तो भूमि में राइजोबियम द्वारा नाइट्रोजन स्थिरीकरण (Nitrogen fixation) होता है। जिससे वायुमण्डलीय नाइट्रोजन नाइट्रेट रूप में पौधों को प्राप्त होती है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 16 का उत्तर (अथवा)

हरियाली की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं –

(i) हरियाली हरी, मुलायम एवं पैरों को न चुभने वाली हो

हरियाली दूर से ही दिखे तथा मन को आकर्षित करने वाली हो।

हरियाली में किसी प्रकार के रोग, कीट एवं छोटे जीव – जन्तु जैसे – दीमक, केंचुआ आदि न हो। ये जीव – केंचुआ (फेरेटिमा पोस्थुमा) हरियाली को नुकसान नहीं पहुँचा लेकिन देखने में भद्दा लगता है।

(iv) हरियाली शीघ्र वृद्धि करने वाली हो तथा उसमें किसी भी प्रकार के खरपतवार न हों।

B
S
E

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 17 का उ

आम की खेती का वर्णन –

(A) वानस्पतिक नाम – मेंजीफेरा इंडिका (Manigfera indica)

कुल – एनाकारडिएसी

(B) उन्नत किस्में – दशहरी, आम्रपाली
नीलम, रत्ना
अल्फांसो

(C) कीट – आम का मीली बग

रोग – एन्थ्रेक्नोज (कालवण)

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक [illegible] का उत्तर

क्र.	कर्तन (Cutting)	दाब कलम (Layering)
1.	कर्तन से तैयार पौधे कमजोर होते हैं।	दाब कलम से तैयार पौधे मजबूत होते हैं।
2.	कर्तन से निर्मित पौधों के मृत होने की संभावना अधिक होती है।	दाब कलम से निर्मित पौधों के मृत होने की संभावना प्रायः नगण्य होती है।
3.	कर्तन में ~~पौधे~~ कलम से जड़े निकलने के पूर्व ही उसे मातृ पौधे से अलग कर लिया जाता है।	दाब कलम में जब तक जड़े न निकले तब तक पौधे को मातृ पौधे से जुड़ा रहने देते हैं।
4.	कर्तन सामान्यतः पेंसिल के आकार की ली जाती है	दाब कलम में कलम का निश्चित आकार नही होता इसमें ~~कलम~~ शाखा स्वस्थ व निरोग होना जरुरी होता है।
5.	कर्तन में कलम में जड़े विकसित करने हेतु कलम को हमेशा भूमि में गाड़ा जाता है।	दाब कलम ~~में~~ की गूटी (Air layering) विधि में वायु में ही शाखा में जड़े विकसित की जाती हैं।

M
P
B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

(अथवा)

सोयाबीन की खेती का वर्णन –

(A) वानस्पतिक नाम → ग्लाइसीन मैक्स
कुल → लेग्यूमिनेसी

(B) उन्नत किस्मे → (i) ब्रेग
(ii) अलंकार

(C) बीजदर → सोयाबीन में शुध्द फसल हेतु बीजदर 65 – 80 kg / ha तथा मिश्रित फसल हेतु 25 – 30 kg / ha बीजदार होती है।

येम – गर्डल बीटल
ाग – (i) पीला मौजेक – यह वायरस से होने वाली बीमारी है जो कि एफिड द्वारा फैलती है।

कीट – (i) गर्डल बीटल – यह सोयाबीन का प्रमुख कीट है।

(E) उपज – शुध्द फसल से 20 – 25 क्विंटल उपज / ha प्राप्त होती है।
मिश्रित फसल से 12-15 क्विंटल उपज / ha प्राप्त होती है।

MPBSE

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

(अथवा)

जैली बनाते समय निम्न सावधानियाँ रखनी चाहिए -

(i) जैली बनाते समय पेक्टिन युक्त फल का ही प्रयोग करना चाहिए। यदि फल में पेक्टिन की मात्रा कम हो तो अलग से पेक्टिन मिला देना चाहिए।

(ii) पेक्टिन को हमेशा साफ कपड़े से छानना चाहिए ताकि उसमें गंदगी न रह ~~जमत~~ जाए।

जैली में प्रयुक्त फल कच्चे न हो साथ ही फल में किसी प्रकार का रोग न लगा हुआ हो।

(iv) जैली को हमेशा अंतिम बिंदु नापकर ही उतारना चाहिए नहीतो जैली कभी - कभी अधबनी रह जाती है।

(v) जैली में प्रयुक्त शक्कर में किसी प्रकार की अशुद्धि नहीं होनी चाहिए नहीं तो जैली पारदर्शी नहीं बनेगी।

(vi) जैली बनाते समय पेक्टिन, चीनी, अम्ल तथा जल इन चार पदार्थों की मात्रा का विशेष ध्यान रखना चाहिए नहीतो जैली ~~जम~~ अनुपात जमती नहीं है।

MPBSE